खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. मीरा की भक्तिभावना पर एक लेख लिखिए।

11. भक्तिकाल की परिस्थितियों का वर्णन करते हुए तुलसीदास की भक्ति की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

12. रीतिमुक्त काव्यधारा किसे कहते हैं ? प्रमुख कवि घनानंद की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) कबीर की सामाजिक चेतना

(ब) बिहारी के काव्य में 'गागर में सागर

(स) रसखान की भक्तिभावना

(द) रस के भेद

HD–01

June – Examination 2024

B.A. (Part–I) Examination

हिन्दी साहित्य

[हिन्दी पद्य भाग-I (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)]

Paper : HD-01

*Time : **3** Hours]* *[Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) 'रासो काव्य' किसे कहते हैं ?

(ii) कृष्णभक्ति, काव्यधारा की किन्हीं **दो** विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(iii) पद्मावत महाकाव्य की भाषा कौनसी हैं ?

(iv) सूफी काव्य परम्परा का एक अन्य प्रचलित नाम बताइए।

(v) तुलसीदास की नवधा भक्ति में 'श्रवण' शब्द का क्या तात्पर्य है ?

(vi) 'सूरसागर' के रचयिता कौन हैं ?

(vii) अनुप्रास अलंकार की परिभाषा दीजिए।

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित पद्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :

मनहु कला ससिभानं, कला सोलह सो बन्निय।
बाल वेस ससिता समीप, अम्रत रस पिन्नय॥
विगसि कमल म्रिग भ्रमर, बैन खंजन मृग लुट्टिय।
हीर-कीर अरु बिम्ब, मोति सिस, अहि घुट्टिय॥
छत्रपति गयंद हरि हंस गति, विह बनाय संचै सचिप।
पद्मिनिय रूप पद्मावतिय, मनहु कांम कामिनि रचिप॥

3. निम्नलिखित पद्यांश की प्रसंग व्याख्या कीजिए :

"दूलह श्री रघुनाथ बने, दुलही सिय सुंदर मंदिर माहीं।
गावति गीत सबै मिलि सुन्दरि, वेद जुवा जुरि बिप्र पढ़ाहीं॥
राम को रूप निहारति जानकी, कंगन के नग की परछाहीं।
यातें सबैं सुधि भूलि गई, कर टेकि रही पल टारत नाहीं॥"

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जो बड़ेन की लघु कहे, नहिं रहीम घटि जाहि।
गिरधर मुरलीधर कहे, कछु दुख मानत नाहि॥
जो रहीम भावी कतहुं, होति आपने हाथ।
राम न जाते हरिन संग, सीय न रावण साथ॥

5. संतकाव्य धारा की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

6. सूरदास की भक्तिभावना पर प्रकाश डालिए।

7. दादूदयाल की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

8. काव्यगुण की परिभाषा देते हुए इसके भेदों का वर्णन कीजिए।

9. दोहा और रोला छन्द को उदाहरण सहित समझाइए।